CHAPTER 4

कैमरे में बंद अपाहिज

PAGE 25, प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ

12:1:4:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:1

कविता में कुछ पंक्तियाँ कोष्ठकों में रखी गई हैं - आपकी समझ से इसका क्या औचित्य है?

उत्तर: कविता में कुछ पंक्तियाँ कोष्ठकों में रखी गई हैं जो कवि के मुख्य भाव को व्यक्त करती हैं। इनमें लिखी पंक्तियों के माध्यम से अलग-अलग लोगों को संबोधित किया गया है,जैसे-

1.कैमरा मैन के लिए: कैमरा दिखाओ इसे बड़ा-बड़ा

2.दर्शकों के लिए : हम खुद इशारे से बताएँगे क्या ऐसा?

3.अपाहिज व्यक्ति के लिए : बस थोड़ी कसर रह गई

इस प्रकार के कोष्ठक कविता के उद्देश्य को अभिव्यक्ति प्रदान करने में सहायक होते हैं।

12:1:4:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:2

कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है- विचार कीजिए।

उत्तर: कवि रघुवीर सहाय ने संवेदनशीलता और विकलांगता (विकलांगता) और व्यवसायी करण के बाज़ारवाद की बहुत सुंदर प्रस्तुति दी है। लोगों में दिव्यांग (विकलांग) लोगों के प्रति दया दिखाने की आदत है। लोग समाज को दिखावा करते हैं कि वे विकलांग (अपंग) लोगों के लिए बहुत सहानुभूति है। लेकिन जब अवसर पैदा होता है, तो उन्हें अपने लिए उपयोग करने का कोई तरीका नहीं है। दूरदर्शन पर एक कार्यक्रम जो सामाजिक उद्देश्य के उद्देश्य से किया जा रहा है। उसमे विकलांग व्यक्ति को कैमरे पर साक्षात्कार देकर करुणा और सहानुभूति दिखाई गई है। उनकी विकलांगता को उनके कार्यक्रम की सफलता के लिए भुनाया गया। करुणा का मुखौटा पहने करुणा के संचालक द्वारा दिखाई गई क्रूरता दिल को उदास करती है। यह सच्चाई है जो आज ऐसे कार्यक्रमों में देखी जाती है। इसे अंजाम दिया जाता है। आज

सिर्फ पैसे का बोलबाला है। करुणा जैसे शब्द अर्थहीन और खोखले हो गए हैं।

12:1:4:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:3

हम समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाएँगे पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है?

उत्तर: कवि रघुवर सहाय ने इस पंक्ति के माध्यम से मीडिया पर व्यंग्य किया है कि इस तरह के कार्यक्रमों का निर्माण होता है। वह यह कहकर अपनी शक्ति दिखाता है कि वह सक्षम और शक्तिशाली है। जो उन्हें माध्यम बनाकर अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसे लोगों का मानना है कि उनके पास इतनी शक्ति है कि उनके पास कुछ भी करने की क्षमता और क्षमता है। फिर वे एक विकलांग व्यक्ति की विकलांगता (विकलांगता) को बेचना चाहते हैं। पैसा भी कमा सकते हैं। करुणा बेचने में भी उन्हें शर्म नहीं आती। "हम एक कमजोर व्यक्ति लाएंगे" का अर्थ है कि हम एक ऐसे व्यक्ति को लाएंगे जो शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर हो।

12:1:4:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:4

यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक, दोनों एक साथ रोने लगेंगे, तो उससे प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य पूरा होगा?

उत्तर: प्रश्नकर्ता का उद्देश्य अपने कार्यक्रम को सफल बनाते हुए दर्शकों के दिल में बहुत पैसा कमाना है। यदि विकलांग (अपंग) व्यक्ति और दर्शक एक साथ रोना शुरू कर दें, तो यह उसके कार्यक्रम की सफलता का सूचक है। सामाजिक उद्देश्य वह इस तरह का कार्यक्रम नहीं बनाता है। वह इसे माध्यम बनाकर अपने तीन हितों (उद्देश्य) को पूरा करना चाहता है। वह (विकलांग) व्यक्ति दिव्यांगता (विकलांगता) को दिखाते हुए वह सफल होगा। करुणा का सहारा लेने से दर्शकों के साथ-साथ कार्यक्रम के निर्माता को भी दिल में अपनी जगह मिल जाएगी।

12:1:4:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:5

परदे पर वक्त की कीमत है कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नज़रिया किस रूप में रखा है?

उत्तर: कवि अच्छी तरह से जानते हैं कि टेलीविजन कार्यक्रम का उद्देश्य वास्तव में समाज के हित के लिए नहीं है। उनका एकमात्र हित या उद्देश्य अपने चैनल को लोकप्रिय बनाना और पैसा कमाना है। अतः प्रत्येक सेकंड का मूल्य वहाँ तय होता है। विकलांगता (विकलांगता) वाले व्यक्ति पर आधारित एक कार्यक्रम विकलांगता (विकलांग) वाले व्यक्ति का साक्षात्कार नहीं है, लेकिन उसकी विकलांगता को समाज के सामने रखकर है। उन्हें पैसा और शोहरत कमाना है। उन्हें विकलांग व्यक्ति के सुख और दुःख से कोई लेना-देना नहीं है। उनका व्यक्तिगत हित सर्वोपरि है। वे क्रूरता का एक तांडव करते हैं और करुणा और सहानुभूति के झूठे बहाने फैलाते हैं। ऐसी पंक्ति के माध्यम से कवि ऐसे छद्म कार्यक्रमों के प्रति अपना आक्रोश और गुस्सा व्यक्त करते हैं।

PAGE 25, अभ्यास - कविता के आसपास

12:1:4:प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास:1

यदि आपको शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे किसी मित्र का परिचय लोगों से करवाना हो , तो किन शब्दों में करवाएँगी?

उत्तर: मै अपने किसी ऐसे मित्र का परिचय जो दिव्यांग हो कुछ इस तरह करवाऊंगा:
मिलिए! यही है मेरा वह मित्र जिसके विषय में अक्सर मैंने आप सबको बताया है । मेरे संघर्ष के दिनों की सबसे बड़ी प्रेरणा और शक्ति दोनों यही है । इसे देखकर ऐसा लगता है जैसे ये किसी शारीरिक चुनौती का सामना कर रहा हो परन्तु इसके विपरीत इसने जीवन की हर चुनौती का डटकर सामना किया है और दूसरों के लिए हिम्मत बनकर उभरा ।खोये हुए अंग को इसने दिव्यांग बना दिया केवल अपने हौसले और दृढ़ इच्छाशक्ति से ।यहाँ लोग छोटी-छोटी परेशानी को बहाना बनाकर जीवन के सामने घुटने टेक देते हैं,मगर इसने अपनी कमी को अपनी ताक़त बनाकर हम जैसों के लिए उदाहरण बना है।

12:1:4:प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास:2

सामाजिक उद्देश्य से युक्त ऐसे कार्यक्रम को देखकर आपको कैसा लगेगा? अपने विचार संक्षेप में लिखें।

उत्तर: इस तरह के कार्यक्रमों को देखकर मुझे मीडिया की क्रूरता पर गुस्सा आएगा, मुझे इस तरह के स्वार्थ और सनसनीखेज हीनता पर तरस आएगा, मैं शायद इस अमानवीयता पर रोऊंगा। मैं उस माध्यम तक पहुँचने की कोशिश करूँगा जहाँ मैं बोल सकता हूँ और ऐसे कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगा सकता हूँ।